सरकारी नेतृत्व वाली कोल्ड चेन और वितरण सुविधा

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में **जनजातीय लोगों** की आय बढ़ाने और फसल-उपरांत होने वाले नुकसान को न्यूनतम करने के लिये राज्य की पहली सरकारी एकीकृत **कोल्ड चेन** और **वितरण सुविधा** स्थापित की जाएगी।

मुख्य बिंदु

सुविधा के बारे में:

- **स्थान:** यह सुविधा **दक्षिणी छत्तीसगढ़** के **दंतेवाड़ा ज़िले** के **पातररास गाँव** में स्थापित की जाएगी।
- **एकीकृत अवसंरचना:** इसमें शीत भंडारण, गामा विकिरण, प्रसंस्करण तथा रसद घटक शामिल होंगे।
  - इस सुविधा को **वन एवं बागवानी उत्पादों** की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, नुकसान को कम करने तथा उनकी विपणन क्षमता सुधारने के उद्देश्य से डिज़ाइन किया गया है।
- **अपनी तरह की पहली सुविधा:**
  - यह **प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)** के अंतर्गत भारत की पहली सरकारी कोल्ड चेन तथा बहु-उत्पाद विकिरण सुविधा होगी।
- **कार्यान्वयन एवं वित्तपोषण:**
  - विकिरण प्रौद्योगिकी हेतु **विकिरण एवं आइसोटोप प्रौद्योगिकी बोर्ड** के साथ **समझौते पर हस्ताक्षर** किये गए हैं। पूरी परियोजना का वित्तपोषण **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय** तथा **दंतेवाड़ा ज़िले के ज़िला खनिज फाउंडेशन (DMF)** द्वारा किया जा रहा है।
- **प्रभाव:**
  - **ग्रामीण रोज़गार:** यह सुविधा **आपूर्ति शृंखला** में **स्थानीय रोज़गार** के अवसर सृजित करेगी।
  - **आर्थिक सशक्तीकरण:** यह क्षेत्र के भीतर **मूल्य संवर्द्धन** सुनिश्चित करती है ताकि अधिक आय स्थानीय जनजातीय समुदायों के पास ही बनी रहे।
  - **रणनीतिक संरेखण:** यह सुविधा **क्षेत्रीय विकास योजनाओं** का समर्थन करती है। इसका उद्देश्य बस्तर क्षेत्र में स्थायी आजीविका के अवसरों का विस्तार कर **वामपंथी उग्रवाद** का सामना करना है।
- **लघु वन उपज (MFP) पर ध्यान:**
  - इस क्षेत्र की प्रमुख लघु वन उपज जैसे– **इमली, महुआ, जंगली आम, बाजरा** तथा **स्थानीय मसाले**, **अपर्याप्त भंडारण** और **संरक्षण सुविधाओं** के अभाव में अक्सर **10–20% वार्षिक नुकसान** झेलते हैं।
  - इस सुविधा से **भंडारण में सुधार** होगा तथा **स्थानीय उपज का मूल्यवर्द्धन** होगा, जिससे **बर्बादी में कमी** आएगी और **बेहतर बाज़ार मूल्य** प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।
    - इससे **वन उपज संग्राहकों** और **स्थानीय किसानों** की **आय में प्रत्यक्ष वृद्धि** होने की उम्मीद है।
- **बाज़ार संबंध: रायपुर**, **विशाखापत्तनम** और अन्य **प्रमुख शहरी केंद्रों** की पहचान **संभावित बाज़ारों** के रूप में की गई है।

प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)

- **परिचय:**
  - कृषि-समुद्री प्रसंस्करण और कृषि-प्रसंस्करण क्लस्टर विकास योजना (संपदा) को मई 2017 में स्वीकृत किया गया था, जिसे बाद में **प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना (PMKSY)** नाम दिया गया।
  - यह एक **केंद्रीय क्षेत्र की योजना** है, जिसका उद्देश्य **खेत से लेकर खुदरा तक** आधुनिक **अवसंरचना** तथा **कुशल आपूर्ति शृंखलाओं** का विकास करना है।
  - यह खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देती है, **किसानों को बेहतर मूल्य** दिलाने में सहायक होती है, **ग्रामीण रोज़गार** सृजित करती है, **कृषि बर्बादी को कम** करती है, **खाद्य प्रसंस्करण स्तर** को बढ़ाती है तथा **प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात** को प्रोत्साहित करती है।
- **उद्देश्य:** कृषि को समर्थन देना, खाद्य प्रसंस्करण का आधुनिकीकरण करना तथा कृषि अपशिष्ट को कम करना।

- **मुख्य घटक:**
  - मेगा फूड पार्क
  - एकीकृत शीत शृंखला और मूल्य संवर्द्धन अवसंरचना
  - कृषि प्रसंस्करण क्लस्टरों के लिये आधारभूत ढाँचा
  - खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण क्षमताओं का सृजन एवं विस्तार
- **नोडल मंत्रालय:** खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/government-led-cold-chain-and-irradiation-facility